परामर्श प्रमुख
श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9424013136
सह संपादिका
श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165
कोषाध्यक्ष
सुधेशकुमार जैन, 9827254111
प्रबंध संपादक
राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227
संयोजक एवं प्रकाशक
बाहुबली जैन, 9827247847
* विशेष सहयोगी *
डॉ. आनंदकुमार जैन, विदिशा
श्री पूरनचंद धन्यकुमार जैन, महरौनी
श्री देवेन्द्रकुमार राजकुमार जैन, भोपाल
श्री अजयकुमार जैन, ललितपुर
श्री कुन्दनलाल मनोरिया, विदिशा

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	300/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड, इन्दौर पर भेजें।

महामहिम राष्ट्रपति श्री कोविंदजी ने किए आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के दर्शन

प्रकाशचंद जैन, नागपुर। महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंदजी ने परम पूज्य 108 आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज व क्षेत्र के सुप्रसिद्ध मंदिर में 1008 भगवान शांतिनाथ के दर्शन किए। राष्ट्रपति कोविंद ने आचार्यश्री को श्रीफल अर्पण कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान राज्यपाल श्री सी. विद्यासागर, मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री श्री नितीन गडकरी, पालकमंत्री श्री चंद्रशेखर बावनकुले, सांसद श्री कृपाल तुमाने, विधायक श्री डी. मल्लिकार्जुन रेड्डी, नगराध्यक्ष श्री दिलीप देशमुख

आदि उनके साथ थे। मंदिर व्यवस्थापन द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। राष्ट्रपति और आचार्यश्री के बीच अनेक विषयों पर चर्चा हुई। दर्शन के बाद आचार्य श्री के कक्ष में राष्ट्रपतिजी ने भारतीयत्व, संस्कृति, सभ्यता की पहचान बढ़ाने, स्त्रीशिक्षा का सार्वजनिक प्रचार, मातृभाषा में शिक्षा, खादी, स्वदेशी का प्रचार संबंधी नियोजित नीति विषयों पर संवाद किया। राष्ट्रपति को मंदिर कमेटी की ओर से हस्तकरघा से तैयार किया गया कोट और स्मृतिचिह्न प्रदान किया गया।

गोलाकोट की गौरव गरिमा —

प्रवीण जैन, झांसी। दिगम्बराचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के 50वें संयम स्वर्ण दीक्षा महोत्सव के अवसर पर दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र तीर्थोदय गोलाकोट में मध्यप्रदेश के वित्त एवं वाणिज्य कर मंत्री जयंत मलैया के मुख्य आतिथ्य एवं एस.के. जैन आईपीएस (पूर्व विशेष पुलिस आयुक्त, दिल्ली) की अध्यक्षता में विद्यांजलि लोकार्पण के अंतर्गत 8 सोपानों को समर्पित किया गया।

गोलाकोट में विराजमान मूलनायक भगवान आदिनाथ की भव्य प्रतिमा को मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज की प्रेरणा से उच्चासन मिलने के बाद मात्र 364 दिनों में तीर्थ का जो कायाकल्प हुआ है वह वर्णनातीत है। भगवान के महामस्तकाभिषेक एवं 1008 कलशों से श्रेष्ठीजनों द्वारा अभिषेक के लिए खनियाधानां के आस पास के 80 गांवों के साथ ही बुंदेलखंड, कानपुर, दिल्ली, आगरा, ग्वालियर, मथुरा, भोपाल तमाम शहरों से भारी जन समूह पहुंचा।

मुख्य अतिथि श्री जयंत मलैया ने विद्यांजलि, आचार्य विद्यासागर श्रमण वसतिका, गुरुवर ज्ञानसागर श्रमण वीथिका, सुधा कलश, संयम स्वर्ण सरोवर, मुक्ताकाश मूक माटी रंगमंच, निसर्ग निलय, गुरु कृपा अन्न प्रसाद, सोहा समर्पण उद्यान के शिलापट्टों का लोकार्पण करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के जंगली क्षेत्र में आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज की कृपा से एवं मुनिश्री सुधा सागरजी महाराज की प्रेरणा व आईपीएस एस.के. जैन के सक्रिय प्रयासों से वह तीर्थ विश्व पटल पर अपनी अनूठी पहचान बना रहा है। अध्यक्ष श्री एस.के. जैन ने बताया कि वर्ष 2014 अक्टूबर माह में जब वह बुंदेलखंड की तीर्थ यात्रा पर आये तो गोलाकोट के आदिनाथ भगवान नजरों में समा गए। मुनिश्री सुधासागरजी की प्रेरणा से 364 दिनों में समर्पण के 8 सोपान इस तीर्थ की बड़ी उपलब्धि है। विधान प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी प्रदीप भैया 'सुयश' ने तीर्थ के विकास में मुनिश्री सुधासागरजी के मंगल आशीर्वाद की चर्चा करते हुए तीर्थ प्रांगण में श्रद्धालुओं से सैकड़ो वृक्षों का रोपण भी कराया। 'दैनिक विश्व परिवार' के संपादक प्रवीण कुमार जैन ने कहा कि बुंदेलखंड में सुप्राचीन तीर्थ गोलाकोट पर जैन प्रतिमाओं के सिरभंजन की घटना से पूरे देश में क्षोभ व्याप्त हुआ था। मुनि श्री सुधासागरजी ने यहां प्रवास कर विकास का जो आशीर्वाद दिया है, मात्र एक वर्ष में 35 एकड़ में फैले इस प्रांगण में साधुजनों की साधना हेतु बनी कुटियाँ, सरोवर, अतिथि गृह, भोजन शाला व भव्य मंदिर निर्माण में वह सिद्ध कर दिया है कि बुंदेलखंड क्षेत्र में गोलाकोट साधुजनों की साधना स्थली के साथ ही अनूठा तीर्थ स्थल होगा। जहाँ पर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का जमावड़ा बना रहेगा।

तीर्थक्षेत्र के कार्याध्यक्ष व प्रसिद्ध वास्तु शास्त्री राकेश कुमार जैन ने क्षेत्र के परम शिरोमणि संरक्षक सत्येन्द्र कुमार, चेतन जैन, राजधानी ग्रुप दिल्ली के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि कार्य तीव्र गति से चल रहा है और आगामी फरवरी माह में इस तीर्थ पर विशाल पंचकल्याणक हेतु आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज से सानिध्य की प्रार्थना की गई है।

बाल संरक्षण आयोग मध्यप्रदेश के अध्यक्ष श्री राघवेन्द्र शर्मा ने क्षेत्र की रमणीयता पर प्रकाश डालते हुए जैन समाज के योगदान की प्रशंसा की।

वक्ताओं में विजय जैन धौर्रा अशोक नगर, राजकुमार जैन शिवपुरी, एसडीएम संजीव जैन, अरविंद जैन सीए, मथुरा चौरासी के अध्यक्ष सेठ विजय जैन आदि ने विचार व्यक्त किये। अतिथियों का स्वागत अमित जैन मंगल, प्रमोद मोदी, राजीव जैन गूडर, ताराचंद्र चौधरी, आमोद जैन कानपुर आदि ने किया।

समारोह का संचालन राष्ट्रीय कवि चन्द्रसेन जैन भोपाल ने किया तो वहीं श्रमण संस्कृति संस्थान के अंतर्गत चल रहे आचार्य विद्यासागर महाराज पब्लिक स्कूल के छात्र छात्राओं ने सांस्कृति कार्यक्रमों व नाटकों की भव्य प्रस्तुति दी। आभार ज्ञापन तीर्थ के महामंत्री कीर्ति जैन बामौर कला ने किया।

गोलाकोट की बदलती तस्वीर और सक्रिय प्रयास

जिला शिवपुरी के खनियाधाना से महज 8 किमी. दूर दक्षिण दिशा में बुंदेलखंड विंध्यांचल पंच पर्वतों के मध्य गोलाकोट जैन मंदिर तीर्थ अपना विशिष्ठ स्थान रखता है। यह तीर्थ गोलाकोट पहाड़ियों के बीच गोल बना हुआ है। जमीन से 264 सीढ़ियाँ चढ़ने के बाद अथवा सड़क मार्ग से मंदिर तक पहुंचा जाता है। यहाँ भगवान आदिनाथ से लेकर महावीर स्वामी तक की हजारों वर्ष प्राचीन प्रतिमायें विराजमान है। चमत्कारी घटनाओं के बारे में बताया जाता है कि प्राकृतिक रूप से व जैन समाज के प्रयासों से यहाँ लगभग 90 कुएँ व 89 बावड़ियाँ रही है। इन बावड़ियों में स्नान करने से चर्म रोग समेत अन्य रोगों का निदान भी होता है। गोलाकोट तीर्थ विगत 7-8 वर्षों पूर्व तक जंगल के बीच छिपा ऐसा तीर्थ रहा जिस पर यदाकदा दर्शनार्थी पहुंचते थे और चीराने का लाभ उठाकर तस्करों ने यहां पर हजारो वर्ष प्राचीन 32 प्रतिमाओं के सिरभंजन कर दिए थे। जिसके बाद काफी प्रयास करने पर सीबीआई द्वारा यह सिर हासिल कर लिए गए थे। तब झांसी में बुंदेलखंड के प्राचीन तीर्थों की रक्षा के लिए 'दैनिक विश्व परिवार' के प्रधान संपादक कैलाशचंद्र जैन द्वारा त्रिदिवसीय बुंदेलखंड तीर्थ रक्षा सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें समाजश्रेष्ठी श्री देवकुमार सिंह कासलीवाल, साहू रमेश जी जैन, एस.के. जैन आईएएस, श्री निर्मल कुमार सेठी समेत बुंदेलखंड के मंत्रीगणों व तीर्थों के पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया था और तीर्थ रक्षा की जागरूकता के साथ प्रतिमायें हासिल हुई थीं। अब सेवा निवृत्त आईपीएस अधिकारी एस.के. जैन के रुचि लेने से आचार्य विद्यासागरजी के नाम पर खनियाधानां में भव्य कालेज की स्थापना एवं गोलाकोट में बहुआयामी विकास से यह तीर्थ बुंदेलखंड के तीर्थों में अग्रणीय हो रहा है। यदि ऐसी ही रुचि शासन प्रशासन में बैठे लोग लें तो वह दिन दूर नहीं जब श्रमण संस्कृति को जीवंतता मिलती रहे और विद्यालयों व तीर्थों के माध्यम से भारत में 'अहिंसा परमो धर्म: जयवंत' होता रहे।

संयम स्वर्ण महोत्सव के अवसर पर भोपाल में रंगारंग आयोजन।

संजय जैन 'लालू', भोपाल। म.प्र की राजधानी भोपाल में 5 अक्टूबर को रवीन्द्र भवन में आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के 50 वें दीक्षा संयम स्वर्ण महोत्सव के अवसर पर उनके जन्मदिवस पर आयोजित इस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में जैन धर्म पर आधारित रंगारंग प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में सांसद श्री आलोक सज्जरजी का कमेटी सदस्यों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने जैन समाज से प्रभावित होकर घोषणा कि भोपाल में एक भव्य स्वागत द्वार शीघ्र ही बनवाया जावेगा व नगर में एक विद्यासागर कीर्ति स्तंभ का निर्माण भी किया जावेगा, जो पूरे देश में अपने आप में अद्भुत होगा। महापौर श्री आलोक शर्मा का सम्मान किया गया। श्री आलोक शर्माजी ने घोषणा की बोर्ड आफिस चौराहे से हबीबगंज नाके तक की सड़क को विद्यासागर मार्ग के नाम से जाना जावेगा। आचार्यश्री का 51 दीपों से भव्य आरती का आयोजन रहा। आचार्य श्री के भोपाल आगमन पर "कैसा था भोपाल के हर जैन का माहौल" का नृत्य नाटिका के जरिये कु. काजल जैन व उनकी टीम ने दर्शाया। रुपल जैन व उनके साथियों ने आर्मी थीम पर शानदार व प्रेरणादायक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। समाज के बच्चों ने दिन रात मेहनत से तैयार "ऐसी थी चंदनबाला" की भावविभोर प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित समाजजनों ने काफी सराहना की। सकल दिगम्बर समाज के तत्वाधान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में जस्टिस एन.के.जैन, जस्टिस अभय गोहिल, जस्टिस विमला जैन, मनोहरलाल टोंग्या, पवन जैन आई.पी.एस, प्रदीप मामा, नरेन्द्र जैन, व नगर के कई गणमान्य सदस्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम सूत्रधार रवीन्द्र जैन पत्रकार के साथ मंच संचालन पवन जैन, मनोज जैन, रश्मि जैन ने किया। नगर में एक और रंगारंग कार्यक्रम दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट चौक द्वारा अहिंसा स्थली, इकबाल मैदान में आयोजित किया गया। सिद्धत्व यात्रा महोत्सव का शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति के साथ शुरु हुआ। प्रात:काल में शोभा यात्रा निकाली गयी, जो सोमवारा होते हुयी अहिंसा स्थली पर पहुंची। अभिषेक, शांतिधारा पश्चात विभिन्न पाठशालाओं के नन्हें मुन्ने बच्चों ने जिन पूजन व गुरु पूजन की। इसके साथ ही आचार्य श्री द्वारा रचित 50 पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। दोपहर 2 बजे परम पूज्य मुनिवर निर्णय सागरजी एवं पूज्य पदम सागरजी महाराज के मंगल सानिध्य में विद्यागुरु विधान का आयोजन किया गया जिसमें समाजजनों ने हर्षोल्लासपूर्वक अपनी सहभागिता निभायी। शाम 7 बजे आचार्यश्री की महाआरती की गयी। शहर की विभिन्न पाठशालाओं के बच्चों द्वारा आरती को भव्य स्वरुप प्रदान किया गया। सामाजिक बुराईयां एवं कुरीतियों के दुष्परिणामों पर आधारित सांस्कृतिक नृत्य नाटिका ने उपस्थित समाजजन को बांधे रखा। कार्यक्रम के अंत में पाठशाला की दीदीओं का सम्मान किया गया।